nwda.gov.in

हिमालय में दिख रहा जलवायु परिवर्तन का असरः वांगचुक

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक।

हिमालय और आसपास के क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन बहुत ज्यादा प्रभावी है। हिमालय में जलवायु परिवर्तन के असर को देखा जा सकता है। इसके कारण हिमालय को काफी नुकसान पहुंच रहा है। वहां के इकोसिस्टम पर इसका बहुत ज्यादा असर पड़ा है, इसलिए हमें न सिर्फ जलवयु परिवर्तन का स्थाई समाधन विकसित करना होगा बल्कि उसे बड़े पैमाने पर लागू भी करना होगा। यह बात मशहूर इंजीनियर और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने कही।

सोनम वांगचुक आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक अहम कॉन्फ्रेंस में हिस्सा ले रहे थे। इस कॉन्फ्रेंस में हिमालय और अन्य क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के समाधान को विस्तार देने पर चर्चा की गई। यह आयोजन हिमालयन रॉकेट स्टोव ने किया था। हिमालयन रॉकेट स्टोव हिमालय के दूरदराज के इलाकों में अपने नए और पर्यावरण अनुकूल हीटिंग सिस्टम के लिए प्रसिद्ध है।

इस कार्यक्रम में सोनम वांगचुक के अलावा सोशल अल्फा की स्मिता राकेश ने भी हिस्सा लिया। हिमालयन रॉकेट स्टोव के फाउंडर रसल कॉलिंस ने कहा कि हमारी संस्था जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें उम्मीद है कि इस कॉन्फ्रेंस के जरिए हमारी नई तकनीक और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियां हिमालय से भी परे कई लोगों तक पहुंचेगी। इस कॉन्फ्रेंस के दूसरे भाग में जलवायु परिवर्तन के लिए काम करने वाली संस्थाओं, समुदायों और सरकारों के बीच सहयोग को मजबूत करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। स्मिता राकेश ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने वाली नई तकनीकों और परस्पर सहयोग से ही जलवायु परिवर्तन के स्थाई समाधान तक पहुंचा जा सकता है।